હિન્દી નિંબધો

ધોરણ ૩ થી ૮

shikshansagar.com

શિક્ષણ સાગર

The King of Education

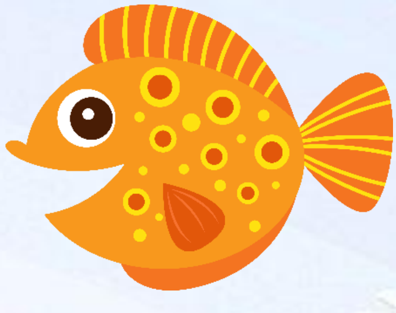

શિક્ષણ સાગર

गुलाब

गुलाब का फूल बड़ा सुंदर होता है । इसकी सुगंध बहुत अच्छी होती है ।

गुलाब का पौधा कलम करके लगाया जाता है । इसकी टहनियों पर छोटे - छोटे नुकीले कटे होते हैं । गुलाब के फूल में बहुत सी पंखुड़ियां होती हैं । गुलाब के फूल लाल, पीले, गुलाबी, सफेद आदि कई रंगों के होते हैं । लाल रंग के गुलाब की शोभा निराली होती है । हमारे देश में गुलाब की कई किस्में पाई जाती हैं । कश्मीर का गुलाब सारी दुनिया में मशहूर है।

गुलाब के फूलों की मालाएं , गुलदस्ते और पुष्पगुच्छ बनाए जाते हैं । गुलाब के फूलो से इत्र, गुलाबजल , गुलकंद आदि बनते हैं । गुलाब के फूल शुभप्रसंगों पर प्रेम और सदभावना के रूप में एक - दूसरे को दिए जाते हैं ।

पंडित जवाहरलाल नेहरू को गुलाब का फूल बहुत पसंद था । वे अपनी शरवानी में हमशानात लाख का फुल लगाते थे । गतान्त्र का नां । राज । माना जाता है ।

गुलाब को 'फूलो का राजा' माना जाता है।

मेरा परिचय

मेरा नाम पर्व है । मैं चौथी कक्षा में पढ़ता हूँ । में जेतपुर नामक गांव में रहता हूँ । मेरे पिता का नाम देवेन्द्रभाई हैं । मेरी मां का नाम कामिनीबहन है । मेरी बहेन का नाम नंदिनी है । मेरे चाचा का नाम परेशभाई है । मेरी बुआ का नाम गीताबहन है । मेरे दोस्त नाम अजय है । मुझे टेनीस खेलना बहुत पसंद है । मर अध्यापक का नाम हिरन सर है । में सुबह सात बजे उठता हूँ । में सैनिक बनना चाहता हूं । मुझे गाना गाना बहुत पसंद है ।

मेरा नाम नंदिनी है । मैं चौथी कक्षा में पढ़ती हैं । मैं जैतपुर नामक गांव में रहती हूँ । मेरे पिता का नाम देवेन्द्रभाई हैं । मेरी मां का नाम

कामिनीसहन है । मेरे भाई का नाम पर्व है । मेरे चाचा का नाम परेशभाई है । मेरी बुआ का नाम गीताबहन है । मुझे टेनीस खेलना बहुत पसंद है । मेरी अध्यापिका का नाम अजनी मेड़म है । में सुबह सात बजे उठती हूँ । में डॉक्टर बनना चाहती हूँ । मुझे गाना गाना बहुत पसंद है ।

हाथी

हाथी सबसे बड़ा और ताकतवर जानवर है । लोग हाथी को जंगल से पकड़कर पालतू बनाते हैं ।

हाथी का रंग काला होता है । इसके पाँव खंभे जैसे मोटे और मजबूत होते हैं । इसके कान सूप जैसे बड़े होते है । इसकी आंखे बहुत छोटी होती हैं । इसके एक लंबी सूंड़ होती है । सूंड़ से यह नाक और हाथ दोनो का काम लेता है । हाथी के दो लंबे दाँत बाहर निकले हुए होते हैं । ये दाँत खाने के काम में नहीं आते । हाथी दाँत बहुत कीमती होते हैं । उनसे खिलौने, गहने आदि बनते हैं । खाने के लिए हाथी के मुंह के अंदर दूसरे दाँत होते हैं । हाथी पेड़ों की डालियां, घास और पत्ते खाता है ।

हाथी सवारी और सामान ढोने के काम आता है । पुराने जमाने में राजा- महाराजा सवारी के लिए और लड़ाई में हाथी का उपयोग करते थे । आजकल सरकस और सिनेमा में हाथी के खेल दिखाए जाते हैं ।

हाथी समझदार और वफादार जानवर है । इसकी देखभाल करनेवाले और इसे चलानेवाले को महावत कहते हैं ।

बाघ

बाघ एक जंगली जानवर है । वह सिंह की तरह भयानक होता है । उसका शरीर लंबा और गठीला होता है । उसकी पूंछ लंबी होती है । उसका रंग गहरा पीला होता है । ठंडे प्रदेशों में सफेद बाघ भी पाए जाते हैं । बाघ के शरीर पर काली धारियां होती हैं । वह अंधेरे में भी देख सकता है । बाघ पानी में अच्छी तरह तैर सकता है ।

बाघ मांसाहारी पशु है । वह हिरन जैसे जगली जानवरों का शिकार करता है । कभी - कभी उसे जंगल में भरपेट शिकार नहीं मिलता तब वह मानव - बस्ती में पहुंच जाता है और नरभक्षी बन जाता है । | बाघ की रवाल बहुत कीमती होती है । पुराने समय में वषि - मुनि बाघ की खाल पर घटकर जप - तप करते थे । आज बाघ के चमड़े -से अनेक मूल्यवान वस्तुएं बनाई जाती हैं । यह चमड़ा पाने के लिए बाघ का शिकार किया जाता है ।

बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है । बाघ को हम चिड़ियाघर में देख सकते हैं ।

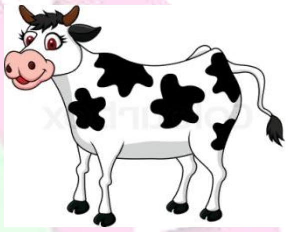

गाय

गाय हमारी माता है| यह एक महत्वपूर्ण घरेलू जानवर है। यह हमें स्वस्थ और पौष्टिक दूध देती है। यह एक पालतू जानवर है। यह जंगली जानवर नहीं है और दुनिया के कई हिस्सों में पाया जाता है। भारतीय लोग इसे एक माँ की तरह सम्मान देतें हैं। भारत में गाय प्राचीन समय से ही देवी के रूप में पूजी जाती है| भारत में लोग इसे अपने घरों में धन लक्ष्मी के रूप में लातें है। गाय सभी जानवरों में सब पवित्र पशु के रूप में माना जाता है। यह विभिन्न आकार, रंग व कई किस्मों में पाया जाता है|

प्राचीन समय से ही देवी के रूप में पूजी जाती है| भारत में लोग इसे अपने घरों में धन लक्ष्मी के रूप में लातें है। गाय सभी जानवरों में सब पवित्र पशु के रूप में माना जाता है। यह विभिन्न आकार, रंग व कई किस्मों में पाया जाता है ।

चिड़ियाघर की सैर

हमारे शहर का प्राणी-संग्रहालय बहुत प्रसिद्ध है । एक दिन मैं अपने मित्र पराग के साथ प्राणी-संग्रहालय देखने गया ।

प्राणी - संग्रहालय में हमने एक हाथी देखा । महावत के इशारे पर हाथी ने सूंड़ उठाकर हमको नमस्कार किया । इसके बाद हम जंगली प्राणियों का विभाग देखने गए । वहाँ पिंजरे में हमने सिंह का एक जोड़ा देखा । सिंह सोया पड़ा था । पास में सिंहनी बैठी थी । दूसरे पिंजरे में हमने एक बाघ देखा । बाघ इधर - उधर घूम रहा था । उसके बाद एक बड़े पिंजरे में हमने एक चीता देखा ।

हमने हिरन, खरगोश, शुतुरमुर्ग, कंगारू और तरह-तरह के बंदर देखे । इसके बाद हमने पक्षियों का विभाग भी देखा । वह हमने बाज, गरूड़, उल्लू जैसे कई हिंसक पक्षी देखे । हमने रंग-बिरंगे तोते भी देखे | मछली-विभाग में कई तरह की मछलियाँ देखकर हमें बहुत आश्चर्य हुआ । दूसरे विभाग में अजगर और कई तरह के साँप थे । वह लोगों की बड़ी भीड़ थी ।

प्राणी - संग्रहालय को देखकर बहुत मजा आया । सचमुच , दुनिया में कैसे - कैसे अजीब प्राणी होते हैं ।

मोर

मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है । मोर बडा सुहावना होता है । मोर एक सुंदर पक्षी है । इसकी नीली और लम्बी गरदन पर कलंगी होती है । इसके पंख लंबे और रंगबिरंगे होते हैं । उसके पैर पतले होते हैं ।

मोर पेडो पर रहता है । यह अनाज और कीड़े-मकोडे खाता है । साँप का यह दुश्मन है । वर्षाऋतु में मोर अपने पंख प्रसारता है और नाचने लगता है ।

मोर की आवाज बडी प्यारी और मधुर होती है । बरसात के दिनों में मोर 'म्यांव-म्यांव' करके बरसात को बुलाता है । वह किसानों का मित्र हैं ।

मोर विद्यादेवी सरस्वती का वाहन है । मोर हमारी और कुदरत की शोभा है । मोर - खलिहानों में घूमता है । श्री कृष्ण भगवान मोर से बना हुआ मुकूट पहनते थे ।

डाकिया

डाकिया खाकी रंग की वर्दी पहनता है । उसके कंधे पर खाकी रंग का थैला है । उसमें पोस्टकार्ड, अन्तर्देशीय पत्र, लिफाफे, रजिस्टर्ड पत्र, मनीआर्डर आदि रहते है । उसके हाथ में भी पत्रों का बड़ा - सा बंडल रहता है ।

डाकिया डाकघर जाता है । वहाँ से वह अपने हिस्से की डाक लेता है । वह हमेशा समय पर डाक बांटने जाता है । पत्र पानेवाला व्यक्ति मकान के भूतल पर हो या ऊँची मंजिल पर, वह सबको हाथोंहाथ डाक पहुंचाता है । यह कड़ी धूप , जाड़े अथवा बरसात की भी परवाह नहीं करता । उसका जीवन कठिनाइयों से भरा हुआ है । उसका काम काफी मेहनत का है । पर वह कभी अपने काम से जी नहीं चुराता । अपना काम पूरा करने पर ही वह दम लेता है ।

सचमुच, डाकिया समाज का सच्चा सेवक है । हम हमेशा डाकिये के इन्तजार में रहते हैं । हमें उसका आदर करना चाहिए ।

पत्र लेखन

साथ में यात्रा करने के बारे में मित्र को पत्र लिखो ।

18 - ए राजेन्द्र भवन,
जवाहर मार्ग,
राजकोट-360001
दि. 20/06/2018

प्रिय मित्र कुमार,

सप्रेम नमस्कार ।

पन्द्रह दिनों से मैं तुम्हारे पत्र का प्रतीक्षा कर रहा था । आज ही तुम्हारा पत्र मिला । मुझे डर था कि शायद पिताजी बालाराम जाने की इजाजत नहीं देंगे । पर तुम्हें यह जानकर खुशी होगी । उन्होंने मुझे इजाजत

दे दी है । मेरी परीक्षा दि . 27 को समाप्त हो जाएगी । परीक्षा समाप्त होते ही में सीधा तुम्हारे यहाँ आ जाऊंगा । वहां से हम बालाराम चलेगे ।

बालाराम सुंदर प्राकृतिक स्थान है । वहां नदी, पहाड़, झरने और झाड़ियों की सुंदरता देखनेलायक होती है । वहां हमें मुम्हारे साथ घूमने में बहुत मजा आएगा । हम अपने साथ कैमरा जरूर ले चलेगे ।

बहन रमा की पढ़ाई की चल रही है ? माताजी और पिताजी को सादर प्रणाम । पत्र जल्दी देना ।

तुम्हारा मित्र,
धवल

स्वच्छता

जीवन में स्वच्छता का बहुत महत्त्व है । जहाँ स्वच्छता है , वहीं आरोग्य है ।

शरीर को स्वच्छ रखने के लिए हमें प्रतिदिन स्नान करना चाहिए । दाँतो को साफ रखने के लिए रोज सुबह मंजन या ब्रश करना जरूरी है । सप्ताह में एक बार नाखून भी काटने चाहिए । हमारे कपड़े साफ - सुथरे रहने चाहिए । इसी के साथ हम अपने घर और पास - पड़ोस की स्वच्छता पर भी ध्यान दें ।

हमें गाव और शहर भी स्वच्छ रखने चाहिए । गंदगी से तरह - तरह की बीमारिया फैलती हैं । गंदे लड़के से दोस्ती करना कोई पसंद नहीं करता । इसलिए हमें हमेशा स्वच्छ रहना चाहिए ।

स्वच्छता भगवान का निवासस्थान है ।

राखी (रक्षाबंधन)

राखी हिन्दुओं का एक पवित्र त्योहार है । यह त्योहार हर साल सावन महीने की पूनम को मनाया जाता है । इसे ‘श्रावणी’ या ‘रक्षाबंधन' भी कहते हैं ।

इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बंधती है | राखी भाई - बहन के पवित्र प्रेम का बंधन है । राखी बांधकर बहन भाई के लिए मंगल कामनाएँ करती है और अपनी रक्षा का भार भाई को सौंपती है । इस अवसर पर भाई अपनी बहन को कोई उपहार देता है । जनेऊ पहननेवाले लोग राखी के दिन जनेऊ बदलते हैं । राखी का त्योहार सारे भारत में मनाया जाता है । इस दिन भारत के हर नगर और गाँव में बड़ी चहल - पहल रहती है । घरों में पकवान बनते हैं ।

हिन्दू बहनों द्वारा भेजी गई राखी की इज्जत मुसलमान भाइयों ने भी की है । एक बार मेवाड़ पर बहादुरशाह ने हमला किया । मेवाड़ की राजमाता कर्मवती ने दिल्ली के बादशाह हुमायूँ को भाई मानकर उसे राखी भेजी थी । राखी मिलते ही हुमायूँ अपनी बहन कर्मवती की रक्षा के लिए दौड़ पड़ा । इस तरह राखी सभी जातियों के लिए प्रेम का एक पवित्र बंधन है ।

सचमुच, राखी हमारे देश का एक अनोखा त्योहार है ।

दिवाली

भारत एक ऐसा देश है जिसको त्योहारों की भूमि कहा जाता है। इन्हीं पर्वों मे से एक खास पर्व है दीपावली जो दशहरा के 20 दिन बाद अक्टूबर या नवंबर के महीने में आता है। इसे भगवान राम के 14 साल का वनवास काटकर अपने राज्य में लौटेने की खुशी में मनाया जाता है। अपनी खुशी जाहिर करने के लिये अयोध्यावासी इस दिन राज्य को रोशनी से नहला देते है साथ ही पटाखों की गूंज में सारा राज्य झूम उठता है।

दिवाली को रोशनी का उत्सव या लड़ीयों की रोशनी के रुप में भी जाना जाता है जोकि घर में लक्ष्मी के आने का संकेत है साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत के लिये मनाया जाता है। असुरों के राजा रावण को मारकर प्रभु श्रीराम ने धरती को बुराई से बचाया था। ऐसा माना जाता है कि इस दिन अपने घर, दुकान, और कार्यालय आदि में साफ-सफाई रखने से उस स्थान पर लक्ष्मी का प्रवेश होता है। उस दिन घरों को दियों से सजाना और पटाखे फोड़ने का भी रिवाज है।

ऐसी मान्यता है कि इस दिन नई चीजों को खरीदने से घर में लक्ष्मी माता आती है। इस दिन सभी लोग खास तौर से बच्चे उपहार, पटाखे, मिठाईयां और नये कपड़े बाजार से खरीदते है। शाम के समय, सभी अपने घर में लक्ष्मी अराधना करने के बाद घरों को रोशनी से सजाते है। पूजा संपन्न होने पर सभी एक दूसरे को प्रसाद और उपहार बाँटते है साथ ही ईश्वर से जीवन में खुशियों की कामना करते है। अंत में पटाखों और विभिन्न खेलों से सभी दिवाली की मस्ती में डूब जाते है।

महात्मा गांधी

महात्मा गांधी को महात्मा उनके महान कार्यो और महानता के लिए कहा जाता है जो की उन्होंने जीवन भर किया। वह एक महान स्वतंत्रता सेनानी और अहिंसक कार्यकर्ता थे और अपने पुरे जीवन काल में जब वे ब्रिटिश शासन से भारत की आजादी के लिए अग्रणी थे, अहिंसा का पालन किया। उनका जन्म भारत के गुजरात राज्य के पोरबन्दर में 2 अक्टूबर 1869 को हुआ था।

वह सिर्फ 18 साल के थे जब वे इंग्लैंड में कानून का अध्ययन कर रहे थे। बाद में वे साउथ अफ्रीका के ब्रिटिश कॉलोनी अपने कानून की पढ़ाई करने गए जहा उन्हें काले त्वचा वाले व्यक्ति होने के कारण गोरे त्वचा वाले व्यक्ति से भेदभाव का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि उन्होंने राजनीतिक कार्यकर्ता बनने का निर्णय लिया क्योकि वह अनुचित कानूनों में कुछ सकारात्मक बदलाव कर सके|

बाद में वह भारत लौट आए और भारत को एक स्वतंत्र देश बनाने के लिए एक शक्तिशाली और अहिंसक आंदोलन शुरू कर दिया। यह वह है जिसने नमक सत्याग्रह या दांडी मार्च का नेतृत्व किया था| उन्होंने अपनी स्वतंत्रता के लिए बहोत सारे भारतीयों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ काम करने के लिए प्रेरित किया |

छब्बीस जनवरी (गणतंत्र-दिवस)

छब्बीस जनवरी भारत का राष्ट्रीय त्योहार है । 15 अगस्त, 1947 को भारत | स्वतंत्र हुआ । स्वतंत्र होने के बाद भारत का संविधान बनाने के लिए एक 'संविधान-सभा' बनी । उसने भारत का संविधान बनाया । वह संविधान भारत में 26 जनवरी, 1950 के दिन से लागू हुआ । इस तरह 26 जनवरी हमा गणतंत्र का जन्मदिन है ।

गणतंत्र - दिवस भारत में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है । इस दिन सरकारी दफ्तरों और पाठशालाओं में ध्वज - वंदन और मनोरंजन के कार्यक्रम रखे जाते है | इस दिन जगह - जगह नेताओं के भाषण होते हैं । शाम को बड़े शहरों में सरकारी इमारतों पर रोशनी की जाती है ।

इस दिन हमारे देश की राजधानी दिल्ली में खूब चहल - पहल रहती है । केंद्रीय कार्यालय और राष्ट्रपति - भवन सजाए जाते हैं । सबेरे राष्ट्रपति - भवन से जुलुस निकलता है । जुलूस में भारतीय सेनाओं के दस्ते और अलग - अलग प्रान्तों की सांस्कृतिक झाँकियाँ होती है । यह दृश्य देखनेलायक होता है । सारे देश में दूरदर्शन पर प्रसारित होता है ।

सचमुच, 26 जनवरी हमारे लिए गौरव का दिन है । इस दिन हमें अपने देश को ऊँचा उठाने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए ।

मेरा देश

भारत मेरा देश है । वह सबसे पुराना है । पुराने जमाने में यहां भरत नाम का एक बड़ा राजा हुआ था । उसके नाम से यह देश भारत कहलाया । भारत का दूसरा नाम 'हिन्दुस्तान' है ।

भारत बहुत बड़ा देश है । इसके उत्तर में हिमालय पर्वत है । वह मुकुट की तरह शोभा देता है । इसके दक्षिण में हिन्द महासागर और पश्चिम में अरबी समुद्र है । गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, गोदावरी, नर्मदा नदियाँ इसको हरा भरा रखती हैं ।

दिल्ली भारत की राजधानी है । दिल्ली एक बड़ा शहर है । इसके नजदीक आगरे में 'ताजमहल' नमक विश्वविख्यात इमारत है , जिसे

देखने के लिए हमेशा दूर - दूर से लोग आते हैं । दिल्ली के आलावा कलकत्ता, बम्बई, मद्रास, अहमदाबाद आदि भारत के बड़े शहर हैं । इस देश में भिन्न भिन्न भाषा बोलने वाले और भिन्न भिन्न धर्म मानने वाले लोग हिलमिलकर रहते हैं ।

भारत बीस से भी ज्यादा राज्यों में बँटा हुआ है । इन राज्यों की भाषा, वेश-भूषा और रीति-रिवाज अलग-अलग हैं । भारत में हिन्दू मुसलमान, पारसी, ईसाई आदि कई धर्मों के लोग रहते हैं । हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा है ।

भारत किसानों का देश है । यहाँ के ७० प्रतिशत लोग खेती करते हैं । यह राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर और महात्मा गांधी जैसे कई महापुरुषों की जन्म भूमि है, जिन्होंने सारी दुनिया को मानवता का संदेश दिया है ।

वाल्मीकि, व्यास, नानक, मीरा, कबीर, तुलसीदास, शिवाजी, गांधीजी, जवाहरलाल, सरदार पटेल जैसे महापुरुषों ने उसका गौरव बढ़ाया है । स्वतंत्रता के बाद हमारे देश में भिन्न भिन्न कारखाने, उद्योग और व्यवसाय का विकास हुआ है ।

मेरा देश एक महान देश है । मेरा देश भारत मुझे प्राणों से भी प्यारा है ।

होली

हिन्दूओं के द्वारा दिवाली की तरह ही होली भी व्यापक तौर पर मनाया जाने वाला त्योहार है। ये फागुन महीने में आता है जो वसंत ऋतु के फागुन महीने में आता है जिसे वसंत ऋतु की भी शुरुआत माना जाता है। हर साल होली को मनाने की वजह इसका इतिहास और महत्व भी है। बहुत साल पहले, हिरण्यकश्यप नाम के एक दुष्ट भाई की एक दुष्ट बहन थी होलिका जो अपने भाई के पुत्र प्रहलाद को अपने गोद में बिठा कर जलाना चाहती थी।

प्रहलाद भगवान विष्णु के भक्त थे जिन्होंने होलिका के आग से प्रहलाद को बचाया और उसी आग में होलिका को राख कर दिया। । तभी से हिन्दु धर्म के लोग शैतानी शक्ति के खिलाफ अच्छाई के विजय के रुप में हर साल होली का त्योहार मनाते है। रंगों के इस उत्सव में सभी एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर दिनभर होली का जश्न मनाते है।

कौए की चतुराई

एक प्यासा कौआ.... इधर-उधर उडना.... एक बाग में सुराही देखना.... पानी बहुत कम.... पानी तक चोंच न जाना.... कंकड़ों को सुराही में डालना.... पानी का ऊपर चढना.... प्यास बुझना.... सीख ।

एक कौआ था । एक दिन उसे जोर की प्यास लगी । वह पानी की तलाश में इधर-उधर उडा । उसे कहीं भी पानी न दिखाई दिया । थोड़ी देर बाद उडते - उडते वह एक बाग में जा पहुँचा | बाग में एक सुराही देखी । वह सुराही पर जा बैठा । सुराही में पानी बहुत कम था ।

कौए ने सुराही में पानी पीने के लिये अपनी चोंच डाली लेकिन पानी कम होने से पानी तक उसकी चोंच न पहुँच स की । कौए को एक तरकीब सूझी । सुराही के पास चारों ओर कंकड़ थे । कौआ एक - एक कंकड अपनी चोंच से उठाकर सुराहो में डालने लगा । इस तरह उसने कंकड सुराही में डाल दिये । थोड़ी देर में पानी ऊपर आ पहुंचा । कौए ने अपनी चोंच सुराही में डाली तो वह पानी तक जा पहुँची । कौए ने भर पेट पानी पिया और अपनी प्यास बुझाई । पानी पीकर कौआ उड गया ।

सीख : - मनुष्य को कठिनाइयों का सामना करने के लिये बुद्धि का उपयोग करना चाहिये । बुद्धि अवश्य ही कठिनाइयों को पार करने का रास्ता सुझाती है ।

भारत

पूरे विश्व भर में भारत एक प्रसिद्ध देश है। भौगोलिक रुप से, हमारा देश एशिया महाद्वीप के दक्षिण में स्थित है। भारत एक अत्यधिक जनसंख्या वाला देश है साथ ही प्राकृतिक रुप से सभी दिशाओं से सुरक्षित है। पूरे विश्व भर में अपनी महान संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों के लिये ये एक प्रसिद्ध देश है। इसके पास हिमालय नाम का एक पर्वत है जो विश्व में सबसे ऊँचा है। ये तीन तरफ से तीन महासागरों से घिरा हुआ है जैसे दक्षिण में भारतीय महासागर, पूरब में बंगाल की खाड़ी और पश्चिम में अरेबिक सागर से। भारत एक लोकतांत्रिक देश है जो जनसंख्या के लिहाज से दूसरे स्थान पर है। भारत की राष्ट्रीय भाषा हिन्दी है हालाँकि यहाँ पर लगभग 14 राष्ट्रीय रुप से मान्यता प्राप्त भाषा बोली जाती हैं।

खेल का महत्व

खेल सभी के व्यस्त जीवन में विशेष रुप से विद्यार्थियों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं। यहाँ तक कि, पूरे दिन में से, कम से कम थोड़े से समय के लिए सभी को खेलों में सक्रिय रुप से भाग लेना चाहिए। खेल बहुत ही आवश्यक है क्योंकि, खेलों में नियमित रुप से शामिल होने वाले व्यक्ति में यह शारीरिक और मानसिक तंदरुस्ती लाता है। जिन व्यक्तियों की व्यस्त दिनचर्या होती है, वे बहुत ही आसानी व शीघ्रता से थक जाते हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि, एक सूकून और आराम का जीवन जीने के लिए हम सभी को स्वस्थ मस्तिष्क और स्वस्थ शरीर की आवश्यकता होती है। नाम, प्रसिद्धी, और पैसा प्राप्त करने के लिए शिक्षा बहुत आवश्यक है। इसी तरह से, स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क प्राप्त करने के लिए, सभी को किसी भी प्रकार की शारीरिक गतिविधि में अवश्य शामिल होना चाहिए, जिसके लिए खेल सबसे अच्छा तरीका है।

खेल गतिविधियों में शामिल होना एक व्यक्ति के लिए बहुत से तरीकों से लाभदायक होता है। यह न केवल शारीरिक ताकत प्रदान करता है बल्कि, यह मानसिक शक्ति को भी बढ़ाता है। बाहर खेले जाने वाले खेल

फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, हॉकी, दौड़ आदि शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक तंदरुस्ती को सुधारने में मदद करते हैं। यद्यपि, कुछ घर के अन्दर खेले जाने वाले खेल जैसे; दिमागी खेल, शतरंज, सुडोकु आदि हमारी मानसिक शक्ति और मन एकाग्र करने की क्षमता के स्तर को बढ़ाते हैं।

कहानी (बिल्ली और लोमड़ी)

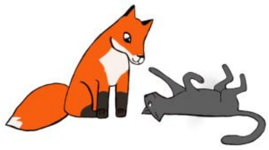

एक बार एक बिल्ली और एक लोमड़ी शिकारी कुत्तों के बारे में चर्चा कर रही थीं।

मुझे तो इन शिकारी कुत्तों से नफरत हो गयी है। लोमड़ी ने कहा मुझे भी, बिल्ली बोली। मानती हूँ कि ये बहुत तेज दौड़ते है, लोमड़ी नें कहा, पर मुझे पकड़ पाना इनके बस की बात नहीं। मैं इन कुत्तों से बचकर दूर निकल जाने के कई तरीके जानती हूँ। कौन-कौन से तरीके जानती हो तुम? बिल्ली ने पूछा।
कई तरीके हैं, शेखी घबराते हुए लोमड़ी ने कहा, कभी मैं काँटेदार झाड़ियों में से होकर दौड़ती हूँ। कभी घनी झाड़ियों में छिप जाती हूँ। कभी किसी माँद में घुस जाती हूँ। इन कुत्तों से बचनें के अनेक तरीको में से ये तो कुछ ही हैं।

मेरे पास तो सिर्फ एक ही अच्छा तरीका हैं, बिल्ली ने कहा। ओह! बहुत दुःख की बात है। केवल एक ही तरीका? खैर, मुझे भी तो बताओ वह तरीका? लोमड़ी ने कहा। बताना क्या है, अब मैं उस तरीके पर अमल करनें जा रही हूँ। उधर देखो, शिकारी कुत्ते दौड़ते हुए आ रहे हैं। यह कहते हुए बिल्ली कूदकर एक पेड़ पर चढ़ गई। अब कुत्ते उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते थे।

शिकारी कुत्तों ने लोमडी़ का पीछा करना शुरु कर दिया। वह कुत्तों से बचने के लिए एक-एक कर कई तरीके आजमाती रही।फिर भी वह उनसे बच नहीं सकी। अंत में शिकारी कुत्तों ने उसे धर दबोचा और मार ड़ाला। बिल्ली लोमड़ी पर तरस खाती हुई मन-ही-मन बोली, ओह बेचारी

लोमड़ी मारी गई। इसकी अनेक तरकीबों की अपेक्षा, मेरी एक ही तरकीब कितनी अच्छी रही!

शिक्षा -अनेक तरकीबे आजमानें की बजाय एक ही सधी हुई तरकीब पर भरोसा करना चाहिए।

स्वच्छता

स्वच्छता एक क्रिया है जिससे हमारा शरीर, दिमाग, कपड़े, घर, आसपास और कार्यक्षेत्र साफ और शुद्ध रहते है। हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिये साफ-सफाई बेहद जरुरी है। अपने आसपास के क्षेत्रों और पर्यावरण की सफाई सामाजिक और बौद्धिक स्वास्थ्य के लिये बहुत जरुरी है। हमें साफ-सफाई को अपनी आदत में लाना चाहिये और गंदगी को हमेशा के लिये हर जगह से हटा देना चाहिये क्योंकि गंदगी वह जड़ है जो कई बीमारियों को जन्म देती है। जो रोज नहीं नहाता, गंदे कपड़े पहनता हो, अपने घर या आसपास को वातावरण को गंदा रखता है तो वो हमेशा बीमार रहता है। गंदगी से आसपास के क्षेत्रों में कई तरह के कीटाणु, बैक्टेरिया वाइरस तथा फंगस आदि पैदा होते है जो बीमारियों को जन्म देते है।

हमारे स्वस्थ जीवन शैली और जीवन के स्तर को बनाए रखने के लिये स्वच्छता बहुत जरुरी है। साफ-सफाई केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि ये घर, समाज, समुदाय, और देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है। हमें इसके महत्व और फायदो को समझना चाहिये। हमें भारत को स्वच्छ रखने की कसम खानी चाहिये कि न तो हम खुद से गंदगी करेंगे और किसी को करने देंगे।

मेरा गाँव

मेरे गाँव का नाम रामपुर है । मेरे गाँव की आबादी करीब छः सौ है । मेरे गाँव में अधिकतर किसान रहते हैं । किसानों के अलावा गाँव में बनिया, लुहार, बढ़ई, दर्जी, धोबी आदि भी रहते हैं । सब लोग आपस में हिल - मिलकर प्रेम से रहते हैं ।

मेरे गाँव के किसानों को समय पर बीज, खाद और पानी मिलता है । इस कारण खेतों में अच्छी फसल पैदा होती है । गाँव में गाय, भैंस, बकरी, कुत्ता, बैल, घोड़ा आदि अनेक पालतू पशु हैं ।

गाँव में एक छोटा - सा बाजार है । बाजार में अनाज, साग - सब्जी आदि चीजें मिलती हैं । गाँव में एक पाठशाला और छोटा - सा अस्पताल भी है । गाँववालों के झगड़ों का निपटारा ग्राम - पंचायत करती है । हमारी पाठशाला के पास ही पंचायत - घर है ।

गाँव के बाहर पीपल का एक बड़ा पेड़ है । उसके नीचे भगवान शिव का मंदिर है । हर रोज शाम को मंदिर में भजन - कीर्तन होता है । उस समय वातावरण शांत और पवित्र हो जाता है ।

मेरे गाँव की जलवायु अच्छी है । इसलिए गाँव के सभी लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है और गाँव के लोग सुखी हैं । मेरा गाँव मुझे बहुत प्यारा है ।

मेरी पाठशाला

मेरी पाठशाला का नाम श्री सरस्वती विद्याविहार प्राथमिक शाला है । मेरी पाठशाला बहुत बड़ी है । इसमें १५ कमरे हैं । एक बड़ा प्रार्थना होल है । पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कोम्प्युटर, भूगोल, वाचनालय के लिए अलग अलग कमरे हैं । एक भगिनी खण्ड भी है । मेरी शाला विद्यानगर में है ।

पाठशाला के प्रार्थना भवन में सभाएँ और मनोरंजन कार्यक्रम होते हैं । मेरी पाठशाला में शिशुविहार से दसवीं तक की पढाई होती हैं ।

शिशुविहार के लिए दो कमरे हैं । वे सुशोभित हैं । इसमें बच्चों के खेलने के लिए कई खिलौने हैं । पाठशाला का समय १० - ४५ से ५ बजे तक का है ।

मेरी पाठशाला में विशाल मैदान हैं । मैदान में हम सब कबड्डी, खो-खो, फूटबोल, वोलिबोल, क्रिकेट आदि खेलते हैं । शाला के प्रत्येक कमरे में हवा और प्रकाश के लिए खिडकियाँ रखी गई है । देश सेवकों की तस्वीरें भी हैं । एक अलमारी में पुस्तकें रखी गई हैं ।

विद्यानगर में बहुत शालाएँ-महाशालाएँ हैं लेकिन मेरी पाठशाला का पहला नंबर है । मेरी शाला की पढाई अच्छी है । मेरी शाला के सभी अध्यापक बहुत ही विद्वान हैं । वे हमें बड़े प्यार से पढाते हैं । मेरी पाठशाला के आचार्य भी बहुत स्पर्धाएँ और मनोरंजन कार्यक्रम होते हैं । मैं अपनी पाठशाला को बहुत चाहता हूँ ।

15 अगस्त

सदियों की गुलामी के पश्चात 15 अगस्त सन् 1947 के दिन आजाद हुआ। पहले हम अंग्रेजों के गुलाम थे। इस दिन हमारा देश आजाद हुआ, इसलिए इसे स्वतंत्रता दिवस कहते हैं।

यह दिन 1947 से आज तक हम बड़े उत्साह और प्रसन्नता के साथ मनाते चले आ रहे हैं। इस दिन सभी विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, राष्ट्रगीत गाया जाता है और इन सभी महापुरुषों, शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है जिन्होंने स्वतंत्रता हेतु प्रयत्न किए। मिठाइयां बांटी जाती हैं। हमारी राजधानी दिल्ली में हमारे प्रधानमंत्री लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज लहराते हैं। वहां यह त्योहार बड़ी धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया जाता है। सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। प्रधानमंत्री राष्ट्र के नाम संदेश देते हैं। अनेक सभाओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

इस दिन का ऐतिहासिक महत्व है। इस दिन की याद आते ही उन शहीदों के प्रति श्रद्धा से मस्तक अपने आप ही झुक जाता है जिन्होंने

स्वतंत्रता के यज्ञ में अपने प्राणों की आहुति दी।देश का नाम विश्व में रोशन हो, ऐसा कार्य करें। देश की प्रगति के साधक बनें न कि बाधक।

हमारे लिए स्वतंत्रता दिवस का बड़ा महत्व है। हमें अच्छेह कार्य करना है और देश को आगे बढ़ाना है।

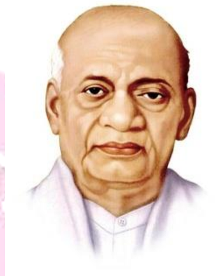

सरदार वल्लभभाई पटेल

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को हुआ था। सरदार पटेल एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा आजाद भारत के पहले गृहमंत्री थे। स्वतंत्रता की लड़ाई में उनका महत्वपूर्ण योगदान था, जिसके कारण उन्हें भारत का लौह पुरुष भी कहा जाता है।

31 अक्टूबर 1875 गुजरात के नाडियाद में सरदार पटेल का जन्म एक किसान परिवार में हुआ था। उन के पिता का नाम झवेरभाई और माता का नाम लाडबा देवी था। सरदार पटेल अपने तीन भाई बहनों में सबसे छोटे और चौथे नंबर पर थे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की शिक्षा का प्रमुख स्त्रोत स्वाध्याय था। उन्होंने लंदन से बैरिस्टर की पढ़ाई की और उसके बाद पुन: भारत आकर अहमदाबाद में वकालत शुरू की।

सरदार पटेल ने माहात्मा गांधी से प्रेरित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया था। सरदार पटेल द्वारा इस लड़ाई में अपना पहला योगदान खेड़ा संघर्ष में दिया गया, जब खेड़ा क्षेत्र सूखे की चपेट में था और वहां के किसानों ने अंग्रेज सरकार से कर में छूट देने की मांग की। जब अंग्रेज सरकार ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया, तो सरदार पटेल, महात्मा गांधी और अन्य लोगों ने किसानों का नेतृत्व किया और उन्हें कर न देने के लिए प्ररित किया। अंत में सरकार को झुकना पड़ा और किसानों को कर में राहत दे दी गई।

चूंकि भारत के एकीकरण में सरदार पटेल का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण था, इसलिए उन्हें भारत का लौह पुरूष कहा गया। 15 दिसंबर

1950 को भारत का उनकी मृत्यु हो गई और यह लौह पुरूष दुनिया को अलविदा कह गया।

मकरसंक्रांति

मकर संक्रांति का त्योहार हिन्दू धर्म के प्रमुख त्योहारों में शामिल है, जो सूर्य के उत्तरायन होने पर मनाया जाता है। इस पर्व की विशेष बात यह है कि यह अन्य त्योहारों की तरह अलग-अलग तारीखों पर नहीं, बल्कि हर साल 14 जनवरी को ही मनाया जाता है, जब सूर्य उत्तरायन होकर मकर रेखा से गुजरता है।

मकर संक्रांति को स्नान और दान का पर्व भी कहा जाता है। इस दिन तीर्थों एवं पवित्र नदियों में स्नान का बेहद महत्व है साथ ही तिल, गुड़, खिचड़ी, फल एवं राशि अनुसार दान करने पर पुण्य की प्राप्ति होती है। ऐसा भी माना जाता है कि इस दिन किए गए दान से सूर्य देवत प्रसन्न होते हैं।

इन सभी मान्यताओं के अलावा मकर संक्रांति पर्व एक उत्साह और भी जुड़ा है। इस दिन पतंग उड़ाने का भी विशेष महत्व होता है और लोग बेहद आनंद और उल्लास के साथ पतंगबाजी करते हैं। इस दिन कई स्थानों पर पतंगबाजी के बड़े-बड़े आयोजन भी किए जाते हैं।

लाल बहादुर शास्त्री

भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर, 1904 को मुगलसराय, उत्तर प्रदेश में 'मुंशी शारदा प्रसाद श्रीवास्तव' के यहां हुआ था। इनके पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। ऐसे में सब उन्हें 'मुंशी जी' ही कहते थे। बाद में उन्होंने राजस्व विभाग में क्लर्क की नौकरी कर ली थी। लालबहादुर की मां का नाम 'रामदुलारी' था।

परिवार में सबसे छोटा होने के कारण बालक लालबहादुर को परिवार वाले प्यार से 'नन्हे' कहकर ही बुलाया करते थे। जब नन्हे अठारह महीने के हुए तब दुर्भाग्य से उनके पिता का निधन हो गया। उसकी मां रामदुलारी अपने पिता हजारीलाल के घर मिर्जापुर चली गईं। कुछ समय बाद उसके नाना भी नहीं रहे। बिना पिता के बालक नन्हे की परवरिश करने में उसके मौसा रघुनाथ प्रसाद ने उसकी मां का बहुत सहयोग किया।

इसके पश्चात 'शास्त्री' शब्द 'लालबहादुर' के नाम का पर्याय ही बन गया। बाद के दिनों में 'मरो नहीं, मारो' का नारा लालबहादुर शास्त्री ने दिया जिसने एक क्रान्ति को पूरे देश में प्रचण्ड किया। उनका दिया हुआ एक और नारा 'जय जवान-जय किसान' तो आज भी लोगों की ज़ुबान पर है।

स्वाधीनता संग्राम के जिन आन्दोलनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही उनमें 1921 का असहयोग आंदोलन, 1930 का दांडी मार्च तथा 1942 का भारत छोड़ो आन्दोलन उल्लेखनीय हैं।

भारत की आर्थिक समस्याओं से प्रभावी ढंग से न निपट पाने के कारण शास्त्री जी की आलोचना भी हुई,लेकिन जम्मू-कश्मीर के विवादित प्रांत पर पड़ोसी पाकिस्तान के साथ 1965 में हुए युद्ध में उनके द्वारा दिखाई गई दृढ़ता के लिए उनकी बहुत प्रशंसा हुई।

ताशकंद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के साथ युद्ध न करने की ताशकंद घोषणा के समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद 11 जनवरी सन् 1966 को इस महान पुरुष का हृदयगति रुक जाने से निधन हो गया। उन्हें मरणोपरान्त वर्ष 1966 में भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। शास्त्रीजी को उनकी सादगी, देशभक्ति और ईमानदारी के लिए आज भी पूरा भारत श्रद्धापूर्वक याद करता है।

वार्तालेखन

रमण और छगन दोनों मित्र - दुर्भाग्य से रमण की संपत्ति का नाश हो जाना - पुरखों का तराजू छगन के पास धरोहर रखना - विदेश में जाना - धन कमाना - एक साल बाद लौटना - छगन से तराजू

मागना - उसे तो चूहे खा गए - रमण का छगन के बेटे के साथ नदी पर स्नान करने जाना - बेटे को अपने घर में छिपा देना - छगन का अपने बेटे के बारे में पूछना - 'उसे बाज उड़ा ले गया' - छगन का पंचायत में जाना - झगड़े का निपटारा होना - सीख ।

जैसे को तैसा

एक गाँव में रमण और छगन नाम के दो मित्र थे । दुर्भाग्य से रमण की सारी संपत्ति नष्ट हो । गई । पुरखों के जमाने का लोहे का एक कीमती तराजू ही बच गया । वह तराजू उसने छगन के यह धरोहर रख दिया और विदेश चला गया । वह उसने बहुत धन कमाया ।

एक साल बाद वह गांव लौटा । उसने छगन से अपना तराजू मागा । छगन उस कीमती तराजू को लौटाना नहीं चाहता था । उसने कहा , "तराजू को तो चूहे खा गए ।

"रमण ने कहा, "कोई बात नहीं !"

दो - तीन दिन बाद रमण ने छगन के घर आकर कहा , "मैं नदी में स्नान करने जा रहा हूँ । कपड़े संभालने के लिए तुम अपने बेटे को मेरे साथ भेज दो । छगन ने बेटे को भेज दिया । रमण ने नदी में स्नान किया । फिर उसने छगन के बेटे को अपने घर में छिपा दिया । छगन ने जब अपने बेटे के बारे में उससे पूछा तो रमण ने उत्तर दिया , "उसे तो बाज उड़ा ले गया ।" छगन को विश्वास न हुआ । उसने पंचायत में शिकायत की । पंचों ने रमण से कहा , "छगन को उसका बेटा लौटा दो ।"

रमण ने कहा, "यह मेरा तराजू लौटा दे ।" छगन ने कहा, "उसे तो चूहे खा गए ।"

रमण ने कहा, "जब मेरे लोहे के तराजू को चूहे खा सकते हैं, तो इसके लड़के को बाज क्यों नहीं उड़ा ले जा सकता ?" अब सारी बात पंचों की समझ में आ गई । उन्होंने छगन को समझाया । आखिर छगन ने रमण को उसका तराजू दे दिया और रमण ने छगन को उसका बेटा सौंप दिया ।

सीख : जो हमारे साथ जैसा व्यवहार करता है, उसके साथ हमें भी वैसा ही व्यवहार करना चाहिए ।

विचार - विस्तार

आवत ही हरषे नहीं, नैनन नहीं सनेह ।
तुलसी तह न जाइए, कंचन बरसै मेह ।

जिस घर के लोग मेहमान को आया देखकर प्रसन्न न हों और जिनकी आँखों में मेहमान के लिए स्नेह न हो, ऐसे घर में यदि सोना बरसता हो, तो भी नहीं जाना चाहिए ।

हमारे सामाजिक संबंध प्रेम और आदर की शुद्ध भावना पर टिके हुए हैं , धन-संपत्ति पर नहीं । पैसों पर टिके हुए संबंधों के पीछे लोभ और स्वार्थ की भावना रहती हैं । ऐसे खोखले संबंधों को हमें महत्व नहीं देना चाहिए और न ही इस तरह के लोगों के घर जाना चाहिए । ऐसे लोगों के यहाँ जाने से केवल उपेक्षा और अपमान ही मिलेगा । अतः उनसे दूर रहना ही अच्छा है ।

SHIKSHAN SAGAR

(શિક્ષણ સાગર)

એપ્લીકેશન ની વિશેષતા

શિક્ષણ સાગર
shikshansagar.com
The King of Education

આ એપ્લીકેશન મુખ્ય ત્રણ વિભાગમાં વહેચવામાં આવી છે .

૧. ટીચર ૨. વિદ્યાર્થી
૩. ટીચર હેલ્પ ડેસ્ક

ટીચર – ઓનલાઈન હાજરી , MDM હાજરી , SAS ગુજરાત , ગુણોત્સવ પોર્ટલ , જ્ઞાનકુંજ પ્રોજેક્ટ , GSHALA લોગીન , આધાર ડાયઝ એન્ટ્રી , શિષ્યવૃત્તિ ઓનલાઈન હાજરી , ખેલ મહાકુંભ એન્ટ્રી , ઈન્સ્પાયર એવોર્ડ એન્ટ્રી , CPF ચેક કરો , ઓનલાઈન PLI – LIC ભરો .

અમારા શિક્ષણ સાગર વોટ્સએપ ગ્રુપમાં જોઈન થાઓ.

શિક્ષણ સાગર
JOIN GROUP

શિક્ષણ સાગર
shikshansagar.com
The King of Education

વિદ્યાર્થી – પાઠ્યપુસ્તક , પાઠ આયોજન , શિક્ષક આવૃત્તિ , સ્વ અધ્યયનપોથી , ઓનલાઈન MCQ , યુનિટ ટેસ્ટ , એકમનું સ્વાધ્યાય , MP3 કાવ્ય , અધ્યયન નિષ્પતી , અધ્યયન નિષ્પતી આધારિત પ્રશ્નો , સંદર્ભ સાહિત્ય અને આ બધું પાઠ વાઈઝ

ટીચર હેલ્પ ડેસ્ક – શિક્ષક ઉપયોગી મટેરિયલ્સ , તમારું બનાવેલું મટેરિયલ્સ અમને આપો , તમારે જે મટેરિયલ્સ જોઈએ તે અમને કહો , મૂંઝવણ અને માર્ગદર્શન .

અમારા શિક્ષણ સાગર એપ્લીકેશન પ્લે-સ્ટોર માંથી ડાઉનલોડ કરો.

JOIN
શિક્ષણ સાગર
APPLICATION